परिचय

विश्वेश्वरय्या राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, (VNIT), नागपुर यह संस्थान संसद के अधिनियम, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम 2012, नं, 2012 के 28 को जारी रखते हुए मुख्य अधिनियम 2007 के 29 द्वारा प्रस्थापित राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान है. नागपुर शहर के मध्यस्थित इस संस्थान का परिसर

214 एकड भूमि में विस्तारित है । संस्थान के वेबसाईट www.vnit.ac.in. है । संस्थान को देश में, विशेष रूप से मध्य भारत में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है और इस क्षेत्र में अन्य शैक्षिक संस्थानों के लिए एक गति-निर्धारक संस्थान के रूप में पहचान बनाई है । इस संस्थान में अभियांत्रिकी, वास्तुशास्त्र एवं विज्ञान के क्षेत्र में 9 स्नातकपुर्व और पीएचडी कार्यक्रमों के अलावा 21 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाये जाते है ।

वीएनआयटी, नागपूर राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सभी इकत्तीस राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में सर्वश्रेष्ठ तृतीय स्थान पर है।

संस्थान 2015 के अन्य विभिन्न रैंकिंग सर्वेक्षण में निम्न स्थान पर है:

i. i3RC टाईम्स इंजीनियरिंग सर्वेक्षण के अनुसार 11 वाँ सर्वश्रेष्ठ इंजिनियरिंग संस्थान (सभी एनआईटी में प्रथम)।
ii. ईज्युरँड रैंक के अनुसार पश्चिमी भारत में द्वितीय और भारत के सर्वोत्तम इंजीनियरिंग कॉलेज में 14 वे स्थान पर।
iii. डिजिटल लर्निंग इंडिया के अनुसार पश्चिमी भारत में तृतीय और भारत के सर्वोत्तम इंजीनियरिंग कॉलेज में 25 वे स्थान पर।
iv. आउटलुक पत्रिका के अनुसार भारत में सर्वोत्तम इंजीनियरिंग कॉलेज में 27 वे स्थान पर।

1.1 विजन और मिशन

वी.एन.आय.टी अपने निम्नलिखित लक्ष्य व उद्देश्य की उपलब्धि में शैक्षिक, सामाजिक उद्देश्यों व अनुसंधान में दृढ विश्वास रखता है ।

विजन (दृष्टि)

संस्थान की राष्ट्रीय विशेषता का उद्देश्य है कि उच्चस्तरीय तकनीकी शिक्षा प्रणाली को विकसित करके वैश्विक श्रेणी मापदंड के मानव संसाधन को निर्मित करने के राष्ट्रीय उद्योग में प्रभावशाली रूप से योगदान देना, ताकि देश की बदलती हुई तकनीकी आवश्यकताओं तथा उससे संबंधित सामाजिक संस्थानों को समाविष्ट किया जा सके और एक ऐसा वातावरण निर्मित किया जाए, जहॉ देश के आर्थिक विकास हेतु नवप्रवर्तन तकनीकी का सृजन एवं विस्तार किया जाए ।

मिशन (लक्ष्य)

वि.रा.प्रौ.सं, का मिशन अभियांत्रिकी व सहबद्ध अन्य विद्याओं में ज्ञान को उत्पादित और प्रचारित करके उत्तम दर्जे की श्रेष्ठता अर्जित करना है । वि.रा.प्रौ.सं. ऐसी शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो कठोर शिक्षा को खोज के आनंद के साथ जोडती हो । संस्थान अपने समूह के लोगों को समाज से जोडकर मानव मात्र के कल्याण के लिए प्रभावी रूप से योगदान देने हेतु प्रोत्साहित करता है ।

1.2 उद्देश्य

उपरोक्त विजन एवं मिशन, संस्थान द्वारा अपनाने के साथ, वि.रा.प्रौ.सं.ने अपने निम्नलिखित उद्देश्यों क स्थापित किया:

संस्थान के राष्ट्रीय विशेषता का उद्देश्य है, कि देश की बदलती प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं का विस्तार ए उसका सृजन और उससे संबंधित सामाजिक संस्थानों को समाविष्ट करने के लिए एक ऐसा वातावरण क निर्माण किया जा सके और राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए अभिनव प्रौद्योगिकियों के प्रचार का एक स्थाय तकनीकी शिक्षा प्रणाली को विकसित करके मानव संसाधन के गुणवत्ता में विश्व स्तरीय मापदंड के उत्पाद का राष्ट्रीय उद्यम के लिए प्रभावी ढंग से योगदान दे ।

वि.रा.प्रौ.सं. ज्ञान को उत्पादित एवं प्रचारित करने हेतु तथा उच्चतर दर्जे की श्रेष्ठता को बनाए रखने के लि प्रतिबद्ध है । संस्थान अपने संकाय एवं कर्मचारी वर्ग को शैक्षणिक जिज्ञासा की परीधि पर कार्य करने ए छात्रों को इसके योग्य बनाने हेतु प्रोत्साहित करता है, फलस्वरूप वे अपनी पूरी शक्ति का उपयोग करके श्रेष्ठ शैक्षणिक एवं शोध वातावरण तक पहुँच सके । संस्थान के अधिगम-अध्यापन समुदाय को इतना समर्थ बनाय गया है कि उनके द्वारा समाज और राष्ट्र को बदलती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके और जीवन व गुणवत्ता सधार करने में प्रभावी रूप से योगदान मिल सके ।

1.3 शिक्षा प्रणाली

स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा वास्तुशास्त्र एवं 8 अभियांत्रिकी शाखाओं में स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम चलाए जाते है स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम की अवधि अभियांत्रिकी शाखाओं के लिए 4 वर्ष तथा वास्तुशास्त्र के लिए 5 वर्ष है सभी पाठ्यक्रम सेमिस्टर पद्धति के अनुसार चलाए जाते है ।

जिन विद्यार्थियों ने अंग्रेजी, भौतिकशास्त्र, रसायनशास्त्र और गणित विषयों के साथ राज्य माध्यमिक ए उच्चतर शिक्षा मंडल द्वारा 12 वी या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण की है, वे वि.रा.प्रौ.सं. तथा देश के अन्य राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश के पात्र है । मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्ग सेंट्रल सीट आबंटन बोर्ड द्वारा संचालित (JEE Main) जेईई-मुख्य में अर्जित रैंक के आधार पर विद्यार्थि को प्रवेश दिया जाता है ।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा 18 अभियांत्रिकी, वास्तुशिल्प शाखाओं में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं । इन पाठ्यक्रमों में (CCMT) द्वारा अर्जित GATE परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर ही प्रवेश दिया जाता है । कुछ स्थान प्रायोजित विद्यार्थी (जिन्होंने संबंधित क्षेत्र से उपाधि प्राप्त करने के बाद न्युनतम 2 वर्ष का कार्यानुभव प्राप्त किया हो) के लिए आरक्षित रखे जाते है, यह संस्थान लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त गुणवत्ता के आधार पर संबंधित विभागों द्वारा भरे जाते है । नियमित प्रवेश क्षमता के अतिरिक्त TEQUIP-II परियोजना एवं प्रायोजित सीटों के लिए प्रवेश दिया जाता है । TEQUIP-II परियोजना के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रवेश मध्यवर्ती प्रवेश प्रक्रियानुसार होते है ।

संस्थान में पदार्थ विज्ञान, रसायन एवं गणित विषयों में भी स्नातकोत्तर (M Sc) पाठ्यक्रम चलाए जाते है। आयआयटी द्वारा आयोजित जे ए एम (JAM) परीक्षा द्वारा इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिये जाता है । रिक्त स्थानों पर संस्थान द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है ।

आचार्य उपाधि (Ph D) पाठ्यक्रम

संस्थान में सभी अभियांत्रिकी, वास्तुशिल्प तथा विज्ञान विभागों के आचार्य उपाधि के पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है। इन पाठ्यक्रमों में संबंधित विभागों द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश दिया जाता है । संस्थान ने इस पाठ्यक्रम के लिए हाल ही में दो QIP केंद्र स्वीकृत किये गये ।

1.4 नई पहल

साठ स्नातकीय छात्रों के लिए उद्यम उपक्रम पर एक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया था, उद्योग के संकाय द्वारा समन्वित यह पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था जो पहले से ही संकाय की उपलब्धता अनुसार समन्वित वीएनआयटी पूर्व छात्र संघटक के उद्यमी हैं ।

छात्र संरक्षक कार्यक्रम अपने तीसरे वर्ष में चल रहा है। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज के छात्र संरक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्र संरक्षकों के लिए बहुत ही उपयोगी है।

वीएनआयटी में संकाय भर्ती का आयोजन किया गया और गत शैक्षणिक वर्ष में 22 नए संकायों को चयनित किया गया ।

सिंहावलोकन

विश्वेश्वरय्या राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर अब उसके 54 वर्ष में है जो एक समृद्ध विरासत है। स्थापना के बाद, यह संस्थान देश में इंजीनियरिंग शिक्षा में सबसे आगे बना रहा है । संस्थान की गतिविधियां एवं इन गतिविधियों के लिए मानव संसाधन का सिंहावलोकन यहाँ प्रस्तुत कर रहे है ।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

वि.रा.प्रौ.संस्थान, नागपुर देश के 31 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में से एक है । केंद्र सरकार द्वारा संसद के अधिनियम के अंतर्गत (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 2007 (2007 का 29) वि.रा.प्रौ.संस्थान नागपुर को अन्य सभी रा.प्रौ. संस्थानों के साथ राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया है । यह अधिनियम 15 अगस्त 2007 से लागू हुआ । इससे पहले, भारत सरकार द्वारा इस संस्थान को मानित विश्वविद्यालय का दर्जा (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 की धारा 3 के अंतर्गत) प्रदत्त किया था, जो 26 जून 2002 से प्रभावी हुआ ।

पहले यह संस्थान "विश्वेश्वरय्या क्षेत्रिय अभियांत्रिकी महाविद्यालय" के नाम से जाना जाता था । इसकी स्थापना वर्ष 1960 में भारत सरकार और महाराष्ट्र शासन के संयुक्त उपक्रम के अंतर्गत हुई थी । जुलाई 1956 से नागपुर में कार्यरत राज्य शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय को समाहित करके जून 1960 में इस महाविद्यालय का कार्य आरंभ किया गया था । संस्थान ने प्रशासकीय मंडल की अक्तूबर 1962 की सभा में इस संस्थान का नाम देश के प्रख्यात अभियंता, नियोजक व राजनेता सर एम.विश्वेश्वरय्या के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया।

अवस्थिति

"संतरा नगरी" के नाम से मशहूर नागपुर, देश के लगभग मध्य भाग में स्थित है तथा देश के सभी भागों से सड़क, रेल, तथा वायुमार्ग द्वारा भलिभाँति जुडा हुआ है । नागपुर महाराष्ट्र की उपराजधानी है ।

परिसर

वि.रा.प्रौ.सं. का परिसर अंबाझरी झील के निकट 214 एकड़ भूमि में विस्तारित है । यह प्राकृतिक सौंदर्य एवं वास्तुकला में समन्वय का बखूबी प्रदर्शन करता है। इस परिसर को चार कार्यकारी क्षेत्र में सुव्यवस्थित किया गया है।

- विद्यार्थियों के लिए छात्रावास
- विभिन्न शैक्षणिक विभागों का शैक्षणिक भवन, पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र और विभिन्न केंद्रीय सुविधाएँ
- संकाय सदस्यों और सहायक कर्मचारियों के लिए आवासीय क्षेत्र।
- क्रीडा संकुल एवं मैदान

शैक्षणिक भवन एवं छात्रावास एवं कर्मचारियों के आवासीय क्षेत्र के निकट स्थित है । परिसर में पूर्ण रूप से संगणकीकृत भारतीय स्टेट बैंक की शाखा (एटीएम सुविधा युक्त), केनरा बैंक एवं डाकघर स्थित है ।

संस्थान में स्वतंत्र स्वास्थ्य केंद्र है । जहाँ स्वास्थ्य अधिकारी की सेवाएँ पूरे समय उपलब्ध रहती है । स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ सेवाएँ जैसे मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता, आहार विशेषज्ञ, फिजिओथेरोपिस्ट, रोग निदान प्रयोगशाला, योग केंद्र, आयुर्वेदिक तथा होमियोपैथिक सेवाएँ भी उपलब्ध है । गंभीर बिमारीयों से पीड़ित रोगियों को, गहन देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों को शासकीय मेडीकल कॉलेज अस्पताल में तथा अन्य स्वास्थ्य केंद्रों (जो केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना द्वारा विधिवत अनुमोदीत हो) में भेजा जाता है ।

परिसर में एक सर्व सुविधायुक्त कैंटीन अनुदेश क्षेत्र एवं छात्रावास के करीब स्थित है । इसके अलावा परिसर में 2 कॉफी हाऊस भी है । संस्थान में सर्व उपकरणों से सुसज्जित एक जिमखाना है तथा टेनिस, बैटमिंटन, वॉलिबॉल, फुटबॉल, हॉकी, क्रिकेट के राष्ट्रीय स्तर के मैदान है । परिसर में एक एन.सी.सी. ईकाई स्थापित की गई है ।

प्रशासन

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार शासी मंडल (BOG) संस्थान के अधिक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण के लिए उत्तरदायी है । अत: शासी मंडल को संस्थान के प्रशासनिक व्यवस्थापन एवं वित्तीय मामलों के पूर्ण अधिकार प्राप्त है । इस शासी मंडल में भारत सरकार, महाराष्ट्र शासन के प्रतिनिधि, विभिन्न उद्योजक, तकनीकवीद एवं संस्थान के संकाय सदस्य सम्मिलित है । निदेशक संस्थान का प्रमुख शैक्षणिक एवं कार्यपालक अधिकारी होता है । शासी मंडल के अलावा संस्थान में सीनेट, वित्त समिति तथा भवन कार्य समिति भी स्थाई समितियों के रूप में है, जो संस्थान के प्रभुत्व में है ।

शासी मंडल को इन समितियों के अलावा प्रशासन के सुचारू एवं प्रभावी संचालन हेतु आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार की अन्य उपसमितियों को गठित करने के पूर्ण अधिकार प्राप्त है । अत: शासी मंडल द्वारा भंडार क्रय समिति (एसपीसी), शिकायत समिति (जीसी) एवं विशेष ईकाई (स्पेशल सेल) की स्थापना की गई है । भंडार क्रय समिति (एसपीसी) उपकरणों एवं विभिन्न सामग्रियों की केंद्रीय उपलब्धता का प्रबंध करती है और शिकायत समिति द्वारा कर्मचारी वृंद तथा संकाय सदस्यों की शिकायतों का निपटारा किया जाता है । विशेष ईकाई द्वारा पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा कार्यात्मक एवं संस्थागत रूप से की जाती है ।

संस्थान में विभिन्न गतिविधियों को बनाए रखने के लिए एक महिला ईकाई और एक सतर्कता अधिकारी है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान के विभिन्न विभागों में स्नातकपूर्व (युजी), स्नातकोत्तर (पीजी) एवं आचार्य (पीएचडी) शैक्षणिक पाठ्यक्रम अभियांत्रिकी, वास्तुशास्त्र एवं विज्ञान विषयों में चलाए जाते है । स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम द्वारा प्रौद्योगिकी स्नातक की उपाधि प्रदान की जाती है, जो कि 9 स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम में 8 बी.टेक. एवं 1 बीआर्क पाठ्यक्रम है । पाठ्यक्रम रासायनिक अभियांत्रिकी, सिविल, संगणक विज्ञान, विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, धातुशास्त्र एवं पदार्थ अभि., एवं खनन अभियांत्रिकी में चलाए

जाते है । प्रौद्योगिकी स्नातक (वास्तुशास्त्र) पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र विभाग द्वारा चलाया जाता है, जो कि 5 वर्ष की अवधि का है । विभिन्न प्रकार के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रौद्योगिकी निष्णात (शोध द्वारा) तथा आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम है । कुल 18 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एमटेक के लिए एवं 3 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एमएससी के लिए चलाए जाते है । सभी अभियांत्रिकी शाखाओं, वास्तुशास्त्र विभागों और अनुप्रयुक्त विज्ञान विभागों (पदार्थ, रसायन एवं गणित विभाग) में भी आचार्य अनुसंधान पाठ्यक्रम प्रदत्त है ।

प्रदत्त पाठ्यक्रम

वर्तमान वर्ष के लिए संस्थान द्वारा प्रदत्त शैक्षिक कार्यक्रमों की सूची नीचे दी गई है ।

अनु. क्र.	पाठ्यक्रम	विभागो द्वारा चलाए गए पाठ्यक्रम
(अ)	स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम	
	बी. टेक.	
1	रासायनिक अभियांत्रिकी	रासायनिक अभियांत्रिकी
2	सिविल अभियांत्रिकी	सिविल अभियांत्रिकी
3	संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी	संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी
4	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी
5	विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	विद्युत अभियांत्रिकी
6	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
7	धातुशास्त्र एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	धातुशास्त्र एवं पदार्थ अभियांत्रिकी
8	खनन अभियांत्रिकी	खनन अभियांत्रिकी
	बी. आर्क.	
9	वास्तुशास्त्र अभियांत्रिकी	वास्तुशास्त्र अभियांत्रिकी
(ब)	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	
	एम.टेक.	
1	पर्यावरण अभियांत्रिकी	सिविल अभियांत्रिकी
2	जल संसाधन अभियांत्रिकी	सिविल अभियांत्रिकी
3	निर्माण प्रौद्योगिकी एवं व्यवस्थापन	सिविल अभियांत्रिकी
4	परिवहन अभियांत्रिकी	सिविल अभियांत्रिकी
5	वी.एल.एस.आय. डिजाइन	इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी
6	संचार प्रणाली अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी
7	संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी	संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी
8	औद्योगिक अभियांत्रिकी	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
9	उष्माशक्ति अभियांत्रिकी	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
10	कैड-कैम	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
11	इंटिग्रेटेड पावर सिस्टिम	विद्युत अभियांत्रिकी

12	पावर इलेक्टॉनिक्स ॲण्ड ड्राइव	विद्युत अभियांत्रिकी
13	पदार्थ अभियांत्रिकी	धातुशास्त्र एवं पदार्थ अभियांत्रिकी
14	स्ट्रक्चरल डायनामिक्स एवं भूकंप अभियांत्रिकी	अनुप्रयुक्त यांत्रिकी
15	संरचना अभियांत्रिकी	अनुप्रयुक्त यांत्रिकी
16	शहरी नियोजन	वास्तुशास्त्र
17	उत्खनन अभियांत्रिकी	खनन अभियांत्रिकी
18	रासायनिक अभियांत्रिकी	रासायनिक अभियांत्रिकी
	एम. एस.सी	
1	पदार्थ विज्ञान	अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान
2	रसायन शास्त्र	अनुप्रयुक्त रसायन शास्त्र
3	गणित	अनुप्रयुक्त गणित

(क) आचार्य उपाधि (अंशकालिक/पूर्णकालिक)

आचार्य उपाधि सभी अभियांत्रिकी, विज्ञान, मानविकी, वास्तुशास्त्र एवं सामाजिक विभाग में चलाए जाते है । **क्यु.**आय.पी.(QIP) योजना के अंतर्गत भी यह आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम विद्युत अभि. तथा धातुशास्त्र एवं **पदार्थ** अभियांत्रिकी द्वारा चलाए जाते है ।

प्रवेश प्रक्रिया

वि.रा.प्रौ.सं, नागपूर में मानव संसाधन विकास मंत्रालय मानकों के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया इस प्रकार है। इस प्रक्रिया का उल्लेख नीचे दिया गया है:

स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम: बी. टेक. / बी. आर्क.

स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम में जेईई उत्तीर्ण विद्यार्थियों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित, केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया द्वारा आयोजित, प्रवेश दिया जाता है । आरक्षण भारत सरकार के नियमानुसार है। वर्ष 2015-16, में केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया मानव संसाधन विकास मंत्रालय के केंद्रीय सीट आबंटन (सीएसएबी), रा.प्रौ.सं. पटना, मुख्यालय द्वारा गठित किया गया ।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एम टेक / एम एससी

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 'गेट' (GATE) उत्तीर्ण विद्यार्थियों को गुणवत्ता सूची के आधार पर प्रवेश दिया जाता है । वर्ष 2015-16 में एमटेक (CCMT) के लिए केंद्रीय परामर्श के माध्यम से सीट आबंटन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मुख्यालय एनआईटी, राउरकेला, द्वारा गठित किया गया था। सीटों का आरक्षण भारत सरकार के नियमानुसार है ।

एम एससी पाठ्यक्रमों में (JAM) जॅम उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है । वर्ष 2015-16 में एम एससी (CCMN) के लिए केंद्रीय परामर्श के माध्यम से सीट आबंटन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मुख्यालय एनआईटी, राउरकेला, द्वारा गठित किया गया था। सीटों का आरक्षण भारत सरकार के नियमानुसार है ।

आचार्य उपाधि पूर्णकालिक पाठ्यक्रम

आचार्य उपाधि (Ph D) पाठ्यक्रम के लिए सीटों का कोई निश्चित कोटा नहीं है । संस्थान विज्ञापन के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। विद्यार्थियों को संबंधित विभागों द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा छाँटे हुए विद्यार्थियों को चुना जाता है । आचार्य उपाधि पूर्णकालिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को मानदंडों के अनुसार टिचिंग असिस्टंटशिप दी जाती है । विद्यार्थी को विभाग द्वारा सलाह नुसार शोधकार्य में जाना आवश्यक होता है। शोधकार्य के प्रस्तुति की अवधि पूर्णकालिक के लिए 3 वर्ष तय की गई है । क्युआयपी (QIP) योजना के अंतर्गत नामांकित विद्यार्थियों को भी संस्थान में प्रवेश दिया जाता है ।